पंजीकरण फॉर्म

शिक्षा विद्यापीठ
म.गा.अ.हि.वि.वि.
राष्ट्रीय संगोष्ठी

.....

शिक्षण, सीखने और जानने की दृष्टियों में बदलाव
Paradigm Shift in Teaching Learning and Knowing

(मार्च 28-29, 2015)

.....

नाम:

पद:

विश्वविद्यालय/ कॉलेज/ संस्था:

पता (कार्यालय):

पता (पत्राचार हेतु):

दूरभाष:
ई.मेल आईडी:
प्रस्तुतीकरण
का शीर्षक:

ठहरने की व्यवस्था: आवश्यकता है/ नहीं हैं

आगमन और प्रस्थान का समय
और माध्यम:

पंजीकरण शुल्क: रूपये 700 मात्र (शोध विद्यार्थियों के लिए रूपये 500 मात्र) पंजीकरण शुल्क आयोजन स्थल पर देय होगा.

स्थान:
दिनांक:
हस्ताक्षर:

टिप्पणी:

- चयनित शोधपत्रों और लेखों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जायेगा .
- शोध पत्र और लेख अंग्रेजी और हिंदी माध्यम में लिखे जा सकते हैं.
- इस फॉर्म का फ़ोटोस्टेट भी स्वीकार किया जायेगा.

राष्ट्रीय संगोष्ठी

(मार्च 28-29,2015)

.....

शिक्षण, सीखने और जानने की दृष्टियों में बदलाव
Paradigm Shift in Teaching Learning and Knowing

आयोजक

शिक्षा विद्यापीठ म.गा.अ.हि.वि.वि. वर्धा, 442001

प्रायोजक

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
(नई दिल्ली)

संपर्क

गोष्ठी समन्वयक:

प्रो. अरबिंद कुमार झा, ऋषभ कुमार मिश्र, निधि गौर, धर्मेन्द्र नारायणराव शंभरकर

ई.मेल.:seminaredumgahv@gmail.com,
rishabhrkm@gmail.com,
dharmeshshambharkar@gmail.com
Mobs: 07057392903 & 08007573829

NATIONAL SEMINAR@ SCHOOL OF EDUCATION, MGAHV, WARDHA

गोष्ठी-विवरण

केन्द्रीय विषय: शिक्षण, सीखने और जानने की दृष्टियों में बदलाव

ज्ञान, जानने और सीखने की प्रक्रिया के संदर्भ में हम चार प्रकार के दृष्टियों और उपागमों को पहचान सकते हैं। इन दृष्टियों की मूल मान्यता में निहित है कि ज्ञान क्या है? और ज्ञान प्राप्ति की प्रक्रिया क्या है? इन चार दृष्टियों को व्यवहारवाद ,संज्ञानवाद , रचनावाद ,और निर्माणवाद के नाम से जानते हैं। व्यवहारवाद, व्यवहार में प्रत्यक्ष बदलाव से संबंधित है। यह इस बात पर जोर देता है कि नया सीखा व्यवहार पुनरावृत्ति द्वारा स्वचालित हो पाता है। संज्ञानवाद , व्यवहार के पीछे स्थित विचार प्रक्रिया को केंद्र में रखता है। यह व्यवहार में बदलाव का अवलोकन तो करता है लेकिन उन्हें केवल विचार प्रक्रिया को समझने का संकेतक मानता है। रचनावाद , इस मान्यता पर आधारित है कि व्यक्ति निजी अनुभवों और‘ स्कीमा ’ के आधार पर ज्ञान की रचना करता है। व्यक्ति अपने अनुभवों को समझने के लिए ‘नियम ’ और ‘मनस प्रतिरूप ’बनाते है। निर्माणवादी मानते है कि ज्ञान का निर्माण केवल व्यक्ति द्वारा उसके परिवेश के अन्त:क्रिया से संभव नहीं है बल्कि वह , समुदाय के अन्य व्यक्तियों के साथ सक्रिय सहभागिता द्वारा भी ज्ञान का निर्माण करता है। अत: ज्ञान के निर्माण में संज्ञानात्मक और सामाजिक दोनों प्रक्रियाएं शामिल है।

शिक्षण , सीखने और जानने से सम्बंधित व्यवहारवादी , संज्ञानवादी , रचनावादी और निर्माणवादी दृष्टियों द्वारा न केवल सीखने की प्रक्रिया को बेहतर तरीके से समझा जा सकता है वरन सीखने के नए तरीके को भी डिजाइन किया जा सकता है। इस गोष्ठी के माध्यम से शिक्षा विभाग ,शिक्षा से जुड़े अध्येताओं और शोधकर्ताओं को उक्त दृष्टियों से सम्बंधित निम्नलिखित विचार क्षेत्रों पर संवाद के लिए आमंत्रित करता है :

- ज्ञानमीमांसीय और शिक्षणशास्त्रीय विश्वास के प्रतिमान
- शिक्षण , सीखने और जानने का मनोविज्ञान
- सांस्कृतिक और भाषायी दृष्टि से विविध विद्यार्थियों के शिक्षण से जुड़े मनोवैज्ञानिक और शिक्षणशास्त्रीय प्रक्रियाएं
- भारतीय ज्ञान मीमांसा और शिक्षणशास्त्र
- शिक्षण जानने और सीखने में निर्माणवाद
- समावेशी शिक्षा के संदर्भ में सीखने और शिक्षण के दृष्टीकोण
- घर और विद्यालय का शिक्षण शास्त्रीय व मनोसामाजिक संदर्भ
- सोचने की प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी की शिक्षणशास्त्रीय भूमिका
- भाषा , साहित्य और शिक्षणशास्त्र

गोष्ठी के विषय के अनुरूप अन्य विचार क्षेत्रों को भी शामिल किया जा सकता है।

❖ **मुख्य तिथियाँ :**

- सारांश (अधिकतम 250 शब्द) भेजने की अंतिम तिथि: 15 मार्च, 2015
- सारांश स्वीकृति की सूचना:18 मार्च, 2015
- लेख/ शोधपत्र भेजने की अंतिम तिथि: 22 मार्च 2015

आमंत्रित वक्ता: प्रो संतोष पांडा (एन.सी.टी.ई.), प्रो फुरकान क़मर, (ए.आई.यू.)प्रो. आनंद प्रकाश (दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. भारती बावेजा (दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. नमिता रंगनाथन, प्रो. सी. बी. शर्मा (इग्नू), प्रो, श्याम बी. मेनन (आंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली), प्रो. संजय सोनवाने (पुणे विश्वविद्यालय), प्रो. अरविन्द मिश्र (जे. एन.यू.)

वर्धा कैसे पहुंचे: वर्धा सड़क और रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है. निकटतम रेलवे स्टेशन सेवाग्राम रेलवे स्टेशन और वर्धा रेलवे स्टेशन है. निकटतम एअरपोर्ट नागपुर है.

रहने की व्यवस्था: पूर्व सूचना और मांग के आधार पर विश्वविद्यालय के अतिथिगृह और छात्रावासों में आगंतुकों के रहने की व्यवस्था की जाएगी.

नोट: किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है .

आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक: प्रो. गिरीश्वर मिश्र (कुलपति, म.गा.अ.हि.वि वि.)
संरक्षक : प्रो. चितरंजन मिश्र (प्रति कुलपति, म.गा.अ.हि.वि.वि.)
समन्वयक व आयोजन सचिव : प्रो. अरबिंद कुमार झा (अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ)
मुख्य समन्वयक: ऋषभ कुमार मिश्र
सह समन्वयक: निधि गौर , धर्मेन्द्र शंभरकर
संपर्क हेतु :07057392903&08007573829& 07350176177TelPh:07152-230908